राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर राज.

अभिभावक परिषद्
कॉलेज कम्यूनिटी
कार्यक्रम रिपोर्ट

कॉलेज कम्यूनिटी कनेक्ट कार्यक्रम रिपोर्ट

राजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्रा जीवन के एक महत्वपूर्ण मुकाम पर खडा होता है और उसे यदि यहॉ सही मार्गदर्शन मिले तो न केवल उस छात्र –छात्रा के जीवन के लिए बल्कि एक समाज के लिए भी बहुत बडा सकारात्मक योगदान होता है । ऐसे में कॉलेज एवं अभिभावको की महत्वपूर्ण भागीदारी होती है। यदपि शिक्षा की गुणवता में अनेको सुधार के प्रयास किये जा रहे है तथापि अभिभावको की राजकीय महाविद्यालयों में गुणात्मक अभिवृद्धि भूमिका को सशक्त बनाने एवं विद्यार्थियों के भविष्य के सम्बन्ध में उनकी चिंता को ध्यान में रखते हुये यह आवश्यकता महसूस की गई कि हमारी संस्थाओं में भी कॉलेज कम्यूनिटी कनेक्ट की पहल की जानी चाहिए। इसी उद्देश्य से यह कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया विद्यार्थियों के अभिभावकों के साथ उनकी संस्था के साथ जुडाव को प्रोत्साहित करना भी एक उद्देश्य रहा है।

आयुक्तालय से प्राप्त निर्देशानुसार प्रत्येक माह में पूर्व निर्धारित तिथियों पर कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। पहला कार्यक्रम 12 अक्टुम्बर 2019 को रखा गया जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने अभिभावको के साथ उत्साह पूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अभिभावक परिषद के प्रभारी डॉ. जयन्त शर्मा ने सभी आमंत्रित अभिभावकों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया । महाविद्यालय की कार्यवाहक प्रार्चाय डॉ. शशी सांचीहर ने महाविद्यालय में आयोजित की जा रही शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में अभिभावकों को अवगत करवाया। उक्त कार्यक्रम में सुश्री तेजस्विनी व्यास बी.एस.सी. तृतीय वर्ष एवं सुश्री डिम्पल राव बी.ए.तृतीय वर्ष में स्वरचित काव्य पाठ की प्रस्तुतियां दी।

द्वितीय कार्यक्रम 14 नवम्बर 2019 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की जयंति पर नेहरू दर्शन से सम्बनिधत चित्र एवं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित करके किया गया। यह प्रदर्शनी 19 नवम्बर 2019 तक चित्रकला विभाग में की गई जिसमें कई अभिभावकों एवं संकाय सदस्यों ने शिरकत की । महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. निधि श्रीवास्तव ने रचनाओं की मौलिकता को सराहा। इस प्रतियोगिता में आधुनिक भारत के विकास को प्रदर्शित करने वाले चित्र, तारापुर एटोमिक संयंत्र, भाखडा नांगल बांध, इसरो एवं भारत में पंचायतीराज व्यवस्था की शुरूआत की थीम पर चित्र प्रदर्शित किये गये। उक्त प्रतियोगिता में डॉ. दीपक भारद्वाज, डॉ. रामसिंह भाटी एवं डॉ. पुष्पा मीणा ने निर्णायकों की महती भूमिका निभाई जिसमें उमा जाटव तृतीय वर्ष कला ज्योत्सना मीणा द्वितीय वर्ष कला एवं स्नेहा भदोरिया प्रथम वर्ष कला क्रमशः से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रही।

दिनांक 21 दिसम्बर 2019 को तृतीय कॉलेज कम्यूनिटी कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित किया गया इसमें अनेक अभिभावकों ने अपने विचार अभिव्यक्त करते हुये अपने मौलिक सुझावो से अवगत करवाया। कुछ अभिभावकों ने भौतिक शास्त्र एवं गणित में एम.एस.सी. खोलने का प्रस्ताव भी रखा जिसे आयुक्तालय को प्रेषित कर लिया गया। कुछ अभिभावकों ने पुस्तकालय में अंग्रेजी माध्यम की पुस्तकें भी उपलब्ध करवाने की इच्छा प्रकट की। कार्यक्रम का संचालन अभिभावक परिषद की सदस्य डॉ. मंजु बारूपाल ने व आभार डॉ. अनामिका सिंघवी ने व्यक्त किया।

25 जनवरी 2020 को चतुर्थ बैठक आयोजित की गई जिसमें उपस्थित अभिभावको को परिषद प्रभारी डॉ.जयन्त शर्मा ने तिलक लगाकर एवं उर्पणा ओढाकर सम्मानित किया। अभिभावकों ने महाविद्यालय में नियमित अध्यापन की सराहना की और शैक्षणिक वातारण पर संतोष प्रकट किया। किसी भी अभिभावके एवं छात्रा ने कोई शिकायत प्रस्तुत नही की। अभिभावकों ने सुझाव दिया के इस तरह से नियमित रूप से बैठक आयोजित करने से उनका महाविद्यालय से सतत् सवांद स्थापित हो सका। अभिभावक श्री नरेन्द्र व्यास जो समग्र शिक्षा विभाग में कार्यरत है ने खुशी व्यक्त करते हुये छात्राओं के गणवेश पर सहमति व्यक्त की। सोनम भोजावत जो स्वंय पूर्व छात्रा रही है, ने खुशी जाहिर की कि इस महाविद्यालय के उत्तम परीक्षा परिणाम रहे है। शुभम चौधरी ने कॉलेज मे ंप्लेसमेंट की सुविधा प्रदान करने के लिये कहा।

13 फरवरी 2020 को इस सत्र की अंतिम बैठक आहुत की गई। इस नवाचार की छात्राओं एवं अभिभावकों ने भरपूर सराहना की । ज्ञात रहे कि प्रत्येक कार्यक्रम में अभिभावको की सहभागिता बढती ही गई । यह कार्यक्रम छात्राओं एवं अभिभावकों में लोकप्रिय होता चला गया। सभी ने इस पहल का स्वागत किया क्योंकि इसके माध्यम से छात्राओं एवं संरक्षको में जागरूकता आई साथ ही उनमें अपने कर्तव्य बोध का भाव जागृत हुआ।

इस कार्यक्रम के माध्यम से अभिभावकों का प्राध्यापकों से निरन्तर सम्पर्क स्थापित हुआ जिससे उन्हें महाविद्यालय में होने वाली शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी मिली। अभिभावकों द्वारा दिये गये फीड बैक से भी इस सवांद कार्यक्रम की उपयोगिता एवं महता प्रतिपादित होती है। भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम छात्राओं के चहुमुखी विकास में लाभदायी एवं उपयोगी रहेगें।